तुम अपनी दया का सर पे मेरे हाथ धरो माँ भजन लिरिक्स

तुम अपनी दया का सर पे,
मेरे हाथ धरो माँ,
हम बच्चो पे किरपा की,
बरसात करो माँ,
बरसात करो माँ,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी।bd।

तर्ज – करती हूँ तुम्हारा व्रत।

तुमसे मिलने तेरे मन्दिर,
हम रोज है आते,
जोड़ा जो तुझसे रिश्ता,
उसको निभाते है,
एक बार मेरे घर आकर,
मुलाकात करो माँ,
हम बच्चो पे किरपा की,
बरसात करो माँ,
बरसात करो माँ,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी।bd।

है जन्मो से प्यासी अंखियां,
तेरे दीदार को,
दिल तड़प रहा है पाने को,
माँ तेरे प्यार को,
जी भर के देखू तुमको,
करामात करो माँ,
हम बच्चो पे किरपा की,
बरसात करो माँ,
बरसात करो माँ,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी।bd।

कब तक पत्थर दिल बनके,
माँ चुपचाप रहोगी,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

‘कुंदन’ को कहोगी,
जीवन में मेरे खुशियों का,
सौगात भरो माँ,
हम बच्चो पे किरपा की,
बरसात करो माँ,
बरसात करो माँ,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी।bd।

तुम अपनी दया का सर पे,
मेरे हाथ धरो माँ,
हम बच्चो पे किरपा की,
बरसात करो माँ,
बरसात करो माँ,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी,
माँ अंबे रानी हे जग कल्याणी।bd।

Singer – Rani Manjeet Kaur

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com